शालाओं में बालिकाओं के लिए शौचालय की सुविधा अभियान

(नवम्बर 2018 - जनवरी 2019)

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र, छत्तीसगढ़

शालाओं में बालिकाओं के लिए शौचालय की सुविधा अभियान

प्रस्तावना -

सर्वोच्च न्यायलय के आदेश अनुसार शालाओं में विद्यार्थिओं के लिए शिक्षा के साथ अन्य सुविधियाँ जैसे सुरक्षित पेयजल एवं शौचालय का व्यवस्था होना अनिवार्य है | राज्य में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितिओं के द्वारा किये जा रहे निगरानी से यह सामने आया की राज्य के कई शालाओं में शौचालय से संवंधित समस्याएँ हैं | कुछ शालाओं में शौचालय नहीं है, कहीं शौचालय बंद पड़ा हुआ है, कई शालाओं में बच्चों को शौचालय का उपयोग करने नहीं दिया जाता है तो कहीं पानी का व्यवस्था नहीं होने के कारण शौचालय का उपयोग नहीं किया जा रहा है | शौचालय का व्यवस्था नहीं होने के कारण संभवतः कई किशोरी बालिकाएं नियमित रूप से शाला भी नहीं जाते हैं |

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए शालाओं में बालिकाओं के लिए शौचालय की सुविधा मुहैया कराने जिसमे बंद शौचालय को खुलवाने, ग्राम पंचायत के सहयोग से क्षतिग्रस्त शौचालय को मरम्मत करवाने, बाल्टी, मग, आदि उपलव्ध करवाने, पानी का व्यवस्था करवाने एवं शिक्षा विभाग से समन्वय कर आवश्यकतानुसार नए शौचालय निर्माण कराने आदि के लिए **'शालाओं में बालिकाओं के लिए शौचालय की सुविधा'** अभियान का सरंचना किया गया |

अभियान की रूप-रेखा -

अभियान के लिए सर्वप्रथम राज्यस्तर पर जिला समन्वयकों से चर्चा कर अभियान की रूप-रेखा तैयार किया गया | तय किये गए रूप-रेखा के तहत जिला समन्वयकों द्वारा ब्लाक स्तरीय समन्वयकों एवं मितानिन प्रशिक्षकों से चर्चा किया गया | मितानिन प्रशिक्षकों द्वारा इस अभियान के संवंध में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकों के माध्यम से समुदाय से चर्चा किया गया | समिति के बैठक के दौरान गाँव में स्थित शालाओं का भ्रमण कर शौचालय की स्थिति की निगरानी कर परिस्थिति के अनुसार समस्या का समाधान करने का कार्ययोजना बनाया गया | बैठक के उपरांत कार्ययोजना के तहत शालाओं का भ्रमण कर निरिक्षण किया गया | समिति के सदस्यों के द्वारा शौचालय का निरिक्षण के साथ साथ बालिकाओं से चर्चा कर शौचालय का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया |

समिति के सदस्यों शाला में बालिकाओं से चर्चा करते हुए

समिति के सदस्यों द्वारा शौचालय का निरिक्षण

समिति के सदस्यों द्वारा शाला भ्रमण

अभियान से प्राप्त उपलव्धि (अभियान की दुसरे माह तक की स्थिति) -

जिला	कुल कितने VHSNC में इस विषय पर चर्चा किया गया	कुल कितने VHSNC द्वारा शालाओं का भ्रमण कर निरिक्षण किया गया	कुल कितने शालाओं में शौचालय बंद/उपयोग योग्य नहीं मिला	कुल कितने शालाओं में शौचालय से संवंधित समस्या का समाधान किया गया
सुकमा	125	115	28	20
बीजापुर	192	86	25	10
दंतेवाडा	143	57	38	24
बस्तर	504	312	55	27
कोंडागांव	446	329	42	30
नारायणपुर	25	15	10	9
कांकेर	793	335	55	28
धमतरी	465	270	26	18
रायपुर	482	374	30	15
गरियाबंद	572	442	113	81
ब. बाज़ार	835	684	86	27
दुर्ग	387	290	53	49
बालोद	649	557	36	14
बेमेतरा	554	398	54	30
महासमुंद	930	729	68	30
राजनांदगांव	1480	1318	97	39
कवर्धा	706	563	85	43
बिलासपुर	817	521	67	30
मुंगेली	499	216	48	24
रायगढ़	925	622	96	59
जांजगीर	792	765	163	97
कोरबा	641	540	75	27
सरगुजा	431	332	76	31
बलरामपुर	483	311	109	55
सूरजपुर	405	295	90	59
कोरिया	508	228	62	37
जशपुर	744	606	92	45
कुल	**15533**	**11330**	**1779**	**958**

राज्य के 19180 ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितिओं में से 15533 समितिओं (81 प्रतिशत) द्वारा इस अभियान के अंतर्गत बालिकाओं के लिए शौचालय की आवश्यकता एवं शालाओं में वर्त्तमान की व्यवस्था पर चर्चा एवं कार्ययोजना बनाया गया है | 11330 समितिओं (59 प्रतिशत) द्वारा शाला भ्रमण कर शौचालय की निरिक्षण एवं बालिकाओं के साथ चर्चा किया गया है | उपरोक्त समितिओं द्वारा भ्रमण किये गए शालाओं में से 1779 शालाओं में कोई ना कोई समस्या देखने को मिला एवं अभियान के दुसरे माह तक 958 (54 प्रतिशत) शालाओं में समस्या का समाधान हुआ है |

सफलता के कहानी -

शौचालय के लिए पानी का व्यवस्था

ग्राम रामागुला, विकासखंड सारंगगढ जिला रायगढ़ के माध्यमिक शाला में बालिकाओं के लिए शौचालय बना हुआ है | माह दिसम्बर में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की मासिक बैठक के दौरान बालिकाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था पर चर्चा हुआ | बैठक के बाद शाला में शौचालय के निरिक्षण के लिए समिति के सदस्य शाला भ्रमण किया गया | भ्रमण के दौरान उक्त संबंध में बालिकाओं से चर्चा किया गया एवं चर्चा से यह पता चला की शौचालय में पानी की सुविधा नहीं होने के कारण शौचालय बहुत गन्दा रहता है इसलिए बालिकाएं शौच के लिए बाहर जाती है | बालिकाओं से चर्चा के बाद समिति के सदस्यों ने शाला के प्रधान पाठक से शौचालय की समस्या पर चर्चा की | प्रधान पाठक के द्वारा तुरंत स्वीपर को शौचालय की सफाई और उसमे रोज पानी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया | समिति के सदस्यों ने तिन-चार दिन बाद फिर से शाला में जाकर शौचालय का निरिक्षण किया तो पाया की शौचालय में पानी का व्यवस्था एवं साफ- सफाई किया गया है एवं बालिकाएं शौचालय का उपयोग कर रही हैं |

समिति के प्रयास से शौचालय का ताला टुटा

ग्राम मौरिकला, विकासखंड कुरूद जिला धमतरी की ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की मासिक बैठक में बालिकाओं के लिए शाला में शौचालय की सुविधा पर चर्चा किया गया एवं बैठक के बाद शाला का भ्रमण किया गया | शाला में बालिकाओं के शौचालय में ताला लगा हुआ पाया गया | समिति के सदस्यों ने शाला के मैडम एवं सर से शौचालय में ताला लगाये जाने का कारण पूछने पर बताया गया की शौचालय हमेशा खुला रहने से गन्दा हो जाता है, बालिकाओं को जब जाना होता है उनसे चाबी ले कर जाती हैं | समिति के सदस्यों के द्वारा बताया गया की बालिकाएं कई बार शर्म के कारण भी चाबी लेने नहीं आते होंगे एवं बाहर चले जाते होंगे | शौचालय उपयोग के लिए हीं बनाया गया है तो उससे खुला रखने के लिए मैडम और सर को बताया गया | समिति के सामने उनके द्वारा ताला को खोल दिया गया परन्तु बाद में सरपंच से मितानिनों के नाम पर शाला में आकर

अनावश्यक कार्य में बाधा पहुचाने की शिकायत किया किया गया | सरपंच द्वारा इस विषय को लेकर एक बैठक बुलाया गया एवं मितानिनों से इस शिकायत के बारे में पूछा गया | मितानिनों द्वारा शाला में शौचालय निरिक्षण की पूरी बातें सरपंच को बताई गई | सरपंच द्वारा उपरोक्त शिक्षक को बैठक में बुलाया गया एवं सच बोलने के लिए बोला गया | शिक्षक ने अपने गलती मानी और सबको आश्वासन दिया की शौचालय में ताला नहीं लगेगा | समिति के सदस्यों ने कुछ दिनों बाद शाला भ्रमण कर पाया की शौचालय में ताला नहीं लगा था एवं बालिकाएं शौचालय का उपयोग कर रहे थे |

निष्कर्ष -

शालाओं में छात्राओं के लिए शिक्षा का बेहतर वातावरण हेतु अन्य सुविधाओं के साथ-साथ शौचालय का बेहेतर व्यवस्था होना अत्यंत आवश्यक है | राज्य के ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितिओं द्वारा किये गए उपरोक्त प्रयास बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के दिशा में एक महत्यपूर्ण कदम है | इस गतिविधि को केवल अभियान तक सिमित ना कर ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितिओं द्वारा ग्राम पंचायत एवं शिक्षा विभाग से नियमित रूप से समन्वय कर इस महत्यपूर्ण विन्दु पर अपना काम जारी रखना चाहिए |

****